मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–012

स्नातकोत्तर उपाधि (संस्कृत) (एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एस.के.-012 : धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों का उत्तर केवल एक भाषा संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में दीजिए।*

भाग—क

नोट— *किन्हीं* **चार** *प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप से दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 15 = 60$

1. धर्मसूत्रों के उद्भव एवं विकास का वर्णन कीजिए।

2. पठितांश के आधार पर सामाजिक परिवर्तन के स्रोतों का वर्णन कीजिए।

3. राज्य के सप्ताङ्ग सिद्धान्त पर प्रकाश डाालिए।

4. याज्ञवल्क्यस्मृति के व्यवहाराध्याय के प्रतिपाद्य विषय का वर्णन कीजिए।

5. पुराणों के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालिए।

6. रामायणकालीन आश्रमव्यवस्था का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

7. महाभारत के अनुसार शाकुन्तलोपाख्यान का वर्णन कीजिए।

8. पठितांश के आधार पर महाभारत के किसी **एक** पर्व का परिचय दीजिए।

भाग—ख

नोट—किन्हीं ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4\times10=40$

9. धर्मसूत्र पर प्रकाश डालिए।

10. कौटिल्य अर्थशास्त्र की विषय-वस्तु संक्षेप में लिखिए।

11. 'पुराण' शब्द का अर्थ करते हुए इसके लक्षण पर प्रकाश डालिए।

12. रामायण के बाल काण्ड की कथा-वस्तु का वर्णन कीजिए।

13. महर्षि वेदव्यास का परिचय लिखिए।

14. महाभारतकालीन स्त्रियों की दशा पर प्रकाश डालिए।

15. महाभारत के अनुसार सगर-भगीरथ उपाख्यान का वर्णन कीजिए।

16. धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों के निर्माणकाल पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×